भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. †*109
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा

†*109. डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में वन्य जीव और वन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में इसके दायरे सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में वन्य जीव और वन पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं;

(घ) यदि हां, तो महाराष्ट्र राज्य सहित देश में अधिसूचित बाघ रिजर्वों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभ्यारण्यों में वन्य जीव और वन पर्यटन की संभाव्यता का उपयोग करने और इसे बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या वन्यजीव और वन पर्यटन के सतत् विकास में स्थानीय समुदायों को हितधारकों के रूप में शामिल करने के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्य सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार वन्य जीव और वन पर्यटन के सतत् संवर्धन हेतु सरकार द्वारा कितनी धनराशि प्रदान की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे और श्री सी.एन. अन्नादुरई द्वारा वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 11.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*109 के भाग (क) से (च) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत वन्यजीव परिपथ तथा इको परिपथ को विकास हेतु चिह्नित 15 थीमैटिक परिपथों में शामिल किया है । उपरोक्त परिपथों में देश के राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और रिजर्व शामिल हैं । विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में स्वदेश दर्शन योजना के वन्यजीव तथा इको परिपथों के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है । इस योजना के उपरोक्त दो परिपथों के अंतर्गत महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में किसी भी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी गई है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है । स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत विकास हेतु महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु में मामल्लपुरम तथा नीलगिरी को चिह्नित किया गया है ।

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने निम्नलिखित सूचना दी है:-

(i) □□□□□□□□ (□□□□□□□□) □□□□□□□□ 1972 □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□/□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□, □□□-□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □ □□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ (□□□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□ □□□□□□□) □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□/□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ (□□□□□□□□) □□□□□□□□ 1972 □□ □□□□□□ □□□□□□ 30.11.2023 □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □

(ii) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने दिनांक 29.10.2021 को 'वन एवं वन्यजीव क्षेत्रों में स्थायी इको पर्यटन हेतु दिशानिर्देश - 2021' जारी किए हैं । इन दिशानिर्देशों में प्रकृति पर्यटन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को इस तरीके से बढ़ावा दिया गया है जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाए और वित्तीय रूप से व्यवहार्य मूल्य श्रृंखलाओं के जरिए स्थानीय सामग्री के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देकर 'आत्मनिर्भर' बनने में ऐसे स्थानीय समुदायों की सहायता करे । इन दिशानिर्देशों में देश में इको पर्यटन के संभावित क्षेत्रों को भी समाहित किया गया है जिनमें महाराष्ट्र में संजय गांधी (बोरिविली), लोनार तथा थाने क्रीकफ्लेमिंगो और तमिलनाडु में गल्फ ऑफ मन्नार मेरीन, वेदनथंगल और प्वाइंट केलिमेयर शामिल हैं ।

(iii) इसके अतिरिक्त पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने संरक्षित क्षेत्रों के लिए प्रबंधन योजना तैयार करने हेतु दिशानिर्देश भी परिचालित किए हैं जिनमें पर्यटन कार्यकलाप भी शामिल हैं ।

(iv) राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने 'पर्यटन कार्यकलापों के लिए निर्देशात्मक मानक और बाघ परियोजना संबंधी दिशानिर्देश 2012' को भी अधिसूचित किया है ।

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों को चिह्नित किया गया है:

(i) पर्यावरणिक स्थायित्व को बढ़ावा देना

(ii) जैव विविधता का संरक्षण
(iii) आर्थिक स्थायित्व को बढ़ावा देना
(iv) सामाजिक-सांस्कृतिक स्थायित्व को बढ़ावा देना
(v) स्थायी पर्यटन के प्रमाणन संबंधी योजना
(vi) आईईसी और क्षमता निर्माण
(vii) शासन

साथ ही वर्तमान में जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में पर्यटन मंत्रालय सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों और अपनी वेबसाईट www.incredibleindia.org के माध्यम से नियमित रूप से वन्यजीव तथा वन पर्यटन सहित भारत का संवर्धन एक संपूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में करता है ।

*****

अनुबंध

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे और श्री सी.एन. अन्नादुरई द्वारा वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 11.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*109 के भाग (क) से (च) के उत्तर में **विवरण**

देश में स्वदेश दर्शन योजना के वन्यजीव और इको परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

वन्यजीव परिपथ
(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	मध्य प्रदेश	2015-16	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेंच में परिपथ का विकास।	92.10	86.31
2.	असम	2015-16	मानस- पोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-सैखोवा का विकास।	94.68	89.94
			कुल	**186.78**	**176.25**

इको परिपथ
(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	उत्तराखंड	2015-16	टिहरी झील के आसपास टेहरी-चंबा-सरैन में परिपथ का विकास।	69.17	69.17
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूबनगर जिलों (सोमासिला, सिंगोतम, कदलाईवनम, अक्कमहादेवी, एगलानपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलतीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62	91.25
3.	केरल	2015-16	पत्तनमतिट्टा- गावी- वागामोन- तेक्कडी का विकास	64.08	64.08
4.	मिजोरम	2016-17	आइजोल में इको-एडवेंचर परिपथ - रावपुइचिप - खावफावप - लेंगपुई - डर्टलैंग -चटलांग - सकाव्रह्मुइतुइतलांग - मुथी - बेराटलावंग - तुइरियल एयरफील्ड - ह्मुइफांग का विकास	66.37	53.09
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	89.07
6.	झारखण्ड	2018-19	दलमा- चांडिल- गेतलसूद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया- नेतरहाट का विकास	30.44	28.83
			कुल	**415.44**	**395.49**

*****